

aggressor or not? I would like, first of all, to say that with regard to the two wars of 1965 and 1971, Iran has never taken the stand that they were helping Pakistan because Pakistan had been attacked. That has not been their case at all. So, if now they adopt another policy, let us see how it unfolds itself.

SHRI BHOGENDRA JHA. My question has not been answered.

MR. SPEAKER Let him sit down. He cannot ask any further question now. Let there be no debate and no counter-arguments, please. This is Question Hour, and there should not be any debate now. All these days, we have not been able to do more than three or four questions.

SHRI SWARAN SINGH I would like to clarify, lest any doubt should be left, that our friendship with Iraq is well known and so also with Afghanistan.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA Should the Question Hour be spent on explaining the policy to the hon. Member? Should we spend all the time on this only?

SHRI SWARAN SINGH I am entirely in the hands of the House. There is no question of our altering our policy or our friendship with Iraq, when we are trying to improve our relations with Iraq.

इसलामाबाद स्थित भारतीय दूतावास में टेलीफोनो से गुप्त रूप से सूचना प्राप्त करने के लिये पाकिस्तान द्वारा संयंत्र लगाये जाने सम्बन्धी सवाचार

+

*67. श्री एम० एल० पुरती :

श्री बनसहाह प्रवाल :

क्या विदेश मंत्री यह बताने को कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस धारणा के सवाचार मिले हैं कि पाकिस्तान ने इसलामाबाद

स्थित भारतीय दूतावास में टेलीफोनो से धान्तरिक सूचना प्राप्त करने हेतु अमरीका में निमित्त गुप्त रूप से सूचना लेने के संयंत्र लगा रखे थे ;

(ख) यदि हां, तो टेलीफोनो से गुप्त रूप से सूचना प्राप्त करने की जासूसी कब से की जा रही थी और सरकार की इसका पता कैसे चला ; और

(ग) अक्षय में इस प्रकार की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कठम उठाये गये हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) (a) No, Sir

(b) and (c) Do not arise

श्री एम० एल० पुरती : मैं मंत्री महोदय में जानना चाहता हूँ कि क्या यह भारत पाक युद्ध के सम्बन्ध में इसलामाबाद स्थित हमारे भारतीय दूतावास में हमारी बातचीत होती रही और इसी बीच में टेलिफोन में कई बार गड़बड़ी हुई और हमारे अपने मैकेनिकल के अभाव के कारण पाकिस्तान के मैकेनिकल से टेलीफोन की अरम्भत करवाई गई? क्या इस में यह शक नहीं होता कि पाकिस्तान ने हमारी गुप्त बातों को जानने के लिये किसी प्रकार के संयंत्र का इस्तेमाल किया है ?

श्री सुरेन्द्र पाल सिंह : मैं तो पहले ही जवाब दिया कि इस विराम की कोई रिपोर्ट हमारे पास नहीं आई है ।

बीड़ी नजदूरों का अखिल भारतीय सम्मेलन

*68 श्री रामाक्षर शारदा : क्या जन और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जन के अन्तिम सप्ताह में जोपाल में बीड़ी नजदूरों का एक अखिल भारतीय सम्मेलन हुआ था ;